तर्ज--तेरे चेहरे से नजर

पिया चरण ही मूल ठिकाना,चरण अब ना छोड़ूं
हक चरणो से अर्श में जाना,चरण अब ना छोड़ूं

1--इन कदमो मे छिपी वाहेदत खिलवत
बेशक हुई इन चरणो की बरकत
ले के बैठे यही अर्श खजाना

2--अंग अंग आशिक कदमो लगत है
सोई सुख जाने जिन रूह खैंचत है
किया अरस परस तब जाना

3--अपने ही तन से मैं ऐसी हूं बिछड़ी
कह ना सकूं पिया हालत दिल की
फिर तुझ में ही हमको समाना

4--निरखूं चरण यही आशिको की ताम है
यही आगाज मेरा यही अंजाम है
यही दिल मे ले चरणो में आना

Nijanand App